नं० ५५६१— घ

सावर मंत्रयंत्र संग्रहः

लिखितपत्राणि ६

ज्यौतिषम १९

अपूर्णम

5561

नं० ५५६१-घ
सावरमंत्रयंत्र संग्रहः
लिखितपत्राणि ६
१६

४८

सावरमंत्रयंत्रसंग्रहः

प०८

नं० ५५६१-घ
सावरमंत्रयंत्र संग्रह: (ज्योतिषम्)
लिखितपत्राणि ०६/१६ (अपूर्णम्)

२०

सिरमें फोडेकीदवा
जंत्रज्वरपाती सांवा
जंत्र पंद्रिया
चिकित्सा भाषा पत्रे ४
ज्वराकर्णे जंत्र
कठोरीवलानेका मंत्रः ५ शांवर
दीपावलार मंत्रः
औषधि मंत्रसिद्धिसहित पत्रे ८
सोलैया जंत्र शाकिन्यादिनिवारण
उपदेशमाला यंत्र पत्रे २
हैरमंत्र २ शांवर
शिवमत्रिका मुहूर्त
पसलीदुखेकाउनमंत्रः पुं०
रविश्री नवग्रहघातचक्रं
सर्पदंशनिवारणमंत्र पुं०
योनिचक्र ज्यो०
शिवचक्र मासिकफल प्राकृत उदाहरण जै०
वैरागीगीत
सिमंदरगीत
आसुरीमंत्र
वशीकरण क्रम
बहिनजमारगीतं जै०
शत्रुंजयस्तुतिः जै०
चारित्रमनोरथमालिका जै०
पंचपरमेष्ठिगुप्तिमहामंत्रस्तोत्रं जै०
श्रावकाराधनं जै०
सूर्यादिग्रहदृष्टिचक्रं
दादाजीकीधमाल
भैरवीभैरवेरं जंत्र
चैत्यवंदनश्लोक १००
भगवानोपरि सिंहासनयंत्रं
सत्रविसे यंत्रं
समशानयंत्र भूतप्रेतडाकिन्यादिहरं

2

जीवगीतं जै॰
धर्मयमालि जै॰
[illegible]तर्दलजंत्र
[illegible]चीसकोष्टयंत्र
[illegible]रजंत्र २ को १६
उच्चाटनयंत्राणि ७
कष्टावली नावली
यंत्र गर्भदात्री गर्भमोचन
चकाउर
नवग्रह स्त्रजा पीडा निवारणं
सूर्यकालानलचक्रं
चंद्र कालानल चक्रं
यमदंष्ट्राचक्रं
अष्टकोण क्षेत्रपालयंत्रं
मुहूर्त ज्यो॰ पत्र ३
यंत्र वशीकरण २
रावणयंत्र कष्टनिवारण
जिनगीत ४
मंत्र ५ जंत्र ४ और ५
आत्मशिक्षागीतं
नवग्रहमंत्रावली नवग्रहाणां स्तोत्राणि
ग्रह गोचरफलानि
चौवीसजिनवरस्तवनं
दशाफलं ज्यो॰ अंतर्दशाफलंच
होर पंज जंत्र ५

इत्येकस्याः पुस्तिकायाः सूची

२ द्वितीयाः पुस्तिकायाः
चरणदास स्वरोदयः
भौमस्तोत्रं मंगलो भूमि॰

३ लीलावती भाषा दोहरे

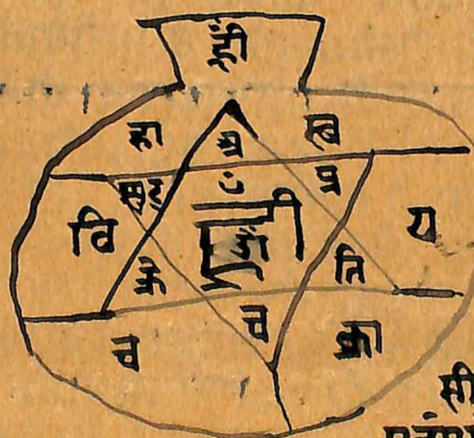
3 ॐकालागोराषेत्रपालचालतिकरालि आकाशचालइपातालचालइ -
पर्वतचालइ पांणीचालइ कुंभचालइनालेर चालइसोपारीचालइ कचो
लीचालइचालि२चामुंडाकापुत्रचोरबांधि साधुछोडि ठः ठः स्वाहा। न चल
हूतउकालिकादेवीनीआंनि छइबार १०८ मंत्रभणीजै कणवीर १०८
उपरकटोरीछोडीजइ प्रथमगुहलीदीजै पछैदेवगणकन्यारोहाथ
दीवाईजइसरसवसैछांडीजै कटोरीचालैः जिहाद्रव्यचोरधर्योहोइ
तिहांकटोरीजाइ॥ कटोरीमंत्रं॥ ॥ ॐनमोहनमंतबीर इग्यारमा
रुद्र पवनकापूत सीताकाबाहरूचलिउचालवइ कुण२ चालवइ अ
ष्टकुल पर्वतचाले नवकुलीनागचालै वाटकीचालै हनुमंतवीरकीआ
ज्ञांफुरैमंत्रईश्वरोवाचा॥ वार १०८ मंत्रीआषाछाटीजै वाटकीचालै जि
हां द्रव्य चोरधर्योहोइ तिहांजाइ द्वितीयकचोलीमंमत्रं ।ॐचक्रेश्वरी
देव।चक्रधरणी चोरप्रकासनी ॐउंह्रींजरस्वाहा ।चिठीलिषपांणी
मांहिघालीजैतिरैसोचोर ॥ ॥ॐनमोसोलदेवी चौरासीसिद्ध अठा
वीसपीर नवनाथ पंचपैगंबर बांवनवीर हाकदेपधारिज्यो गुरुकी
शक्तिमेरीभक्तिफुरैमंत्रईश्वरोवाचा ॥ पीपलपांन ऊपरिकालौसिल
गावै मंत्रीनैंबालकनैदेखाणीजै जैपूछतेकहै ॥इतिपत्रावतारविधि॥
ॐकालि२महाकालीकौलेयकालि अस्मिनकुमारीतेनदीपसिषायां
आगछ २ स्वाहा ।भूमिलीपीउपरि पाटउमांडीपाटाउपरिऐंकारलिषि
यइतिणउपरिगागरीअथलोटीमूकीयइलोटीबार १०८ मंत्रीकोरासिरा
वलोवार १०८ मंत्रीलोटी अथगागरीऊपरिमूंकीयइ रूइकीवाटिक
रिवार १०८ मंत्रीसिरावलामाहेमोक्लियइपछैतेलकचोलीमाहेघालीवा
र १०८ मंत्री छुरीसेतीतेलसिरावलामाहेघालीजै पछैथालीमाहे ऊजला
वलसेर १ घालीयैचावलवार १०८ मंत्रीदीवामाहिनाषीजै कन्यानइआ
छोटीयइ कन्यानैस्नाकरीकोरवस्त्रपहिरावीदीवाआगलिपाटै उपरिवइ
इसारी तेहनैमाथैहाथदेईवार १०८ मंत्रीइकन्यानैप्रथमकाजलपाडी
आंषीआंजीयइ पछैपूछी कन्यानैप्रथमकाजलयइकन्याकहइ पछइ
विसर्जनमंत्रयंत्र गच्छ२स्वाहा इतिदीपावतारविधिः॥१॥ ॐह्रींश्रीं
क्लींह्लौंश्रीत्रिपुरनरवीनमः गुंहलीदेइपाटैमांडीजै पाटउपरिहन

ॐनमोनारसिंहायमस्तकान् छिंद २ भिंद२स्वाहा जेतलामसाहो
इतेतलाउडदतेतलालूणरा– ठोकरामसाऊपरिजपीजइ पांणीमाहेनो
षीजे मसाज्ञायइ सत्यं ❋ स्वेतरीगणीजड सुष्पार्क मूलार्कलीजइ मा
दलीयामांहेघालीराषीजइ बींछू षाधोहोइ तिणनैंउलीपाईजइ। बीछी
उतरइ ।। गुरुलोंमगुरुसरलोन पथरीबैठउबोलइलोंन हाथदेउंज
सल्लुं सुषिद्यु सर्वस्वल्लुं माईल्लूंना तेरीशक्ति मेरीभक्ति अमुकाअमुकी
कइपावापडइ ।। लूंणवार २७ मंत्रीदीजइ वश्यंभवति ।। ।। ।।
गोरषनाथयोगीश्वरकन्हेल्लूंणअभिमंत्रायामोराल्लूंणअतांता गाइछुं
तउवछाल गइजलदेऊंतउमछालागेमाइदेउंतउबप्पहल्लागे स्त्रीदे
उंतउभरतारहलागईआईयोगीश्वरकीशक्तिफुरैवार १०८ लूंणमंत्री
दीयते पतिवश्यं ।। ।। ॐकामरूदेशकामाख्यानारी ऊभी गुडवे
चैवणिजारी सोगुडराता सोगुडमाता सोगुलषंडमजीठइराता जोए
गुडखावएसी सोपगारपडंता आएसीवार२२ तथा [illegible] वारगुडमं
त्रीदीजै। लवं ९ उडदितोआदित्यो भगवान्सूर्यः एमंत्रीचीठीलि
षी। मांहेसंषाहोलीरीजड घालीकांनिबांधीयै शिरःसमाधि।

ॐ	घं	टा	क	र्णो	म	हा	वी	र	स	वं	
[illegible]	त्त	तो	त्त	र	पं	क्ति	भिः	रो	गा	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	णो	य	पा	त्त	यं	शा	कि	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	णं	त	स्य	न	च	[illegible]	[illegible]	वि	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	क्षीं	ह्रं	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	खा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	अ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	अ	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वि	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	अ	
इ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ढ	ट	

मडेमसाणेछमासलगइ मारितोमसानेलोटि जिवैजहोपाइलोटि
गुरु· मेरीभक्ति देषीनारसिंचवीरते रीशक्तिफुरेमंत्र ईश्वरोवाच
आदीतवारकेदिन चूचरीलाइपंचदिवक्षीवानीथोति पूपठषेवि
दीवानीजोतिजाइफलपटिदीजैतो रूरीप्रीतिचणीजुउइ ॐ नमोका
लउकीउ उकीवरउ जाउअमावसिनइराति डतरइनउउनाफुन
हीतरिगिरपर्वतका कागलाहकाफु हमारीभक्तिगुरुकीशक्ति
फुरेमंत्र ईश्वरोवाच वार २१ राषमंत्रीडीलडुपरिनांषीये होर
नीवीलउजाइ अथउलूककल्पइणिविधिलीजइ पछेकीजेअ
थारि अमावसानथाचवदिसि अदीतवारफुइतउलीजे तउइत
रेकोमआवइ उलूकपेटमांहिलीवस्तुलीजइतेकाजलपाडीज
इ गोलाबाधीजइत्रांबाकापत्रमांहि चातीजे अदष्टजावइ अं
पणीआंषि आंजीजेतउ अदष्टहोइ गोमूत्रसंयोवइतउदष्टिहो
इ

ॐकटपत्रे सुभगे आपुरीरक्तवाससे अघवर्णस्यडहिने घोरकर्मणि
डकारके अमुकस्यगतिंदह २ उपतिष्ठायभगंदह २ सज्ञायमनोदह २
प्रबुद्धायहृदयदह २ पच २ अचमावदहपच पत्मेतस्य‥छतिफुंफट २
स्वाहा वार ७ वा २१ जाप्यः सिद्धिः वचनात् इदयंत्रे चूर्यपत्रे अष्टगंधस्त
लिषीग्रीवाबाफुबंधीजइ सर्वसिद्धिकरीयंत्र धारकनउनाममांहिलि
षीजइ सत्यं श्रीरस्तु



सर्वचाकालीकूतरी
आव इतववचडा
धावापछी हीनइ
हूधलीजइ पछेल
विग २१ तेदूधमध्ये
भी वीराषीजइदिन ३
सीमपछेसूकोवे काम
पत्रांग १ आत्मवीर्यसेती
षडीनागरवेलिपानम ‥

ॐविसभरीतलाई विसबाधीपालि तेमाहि अमुकउ उत्लीयो सोसके
तसंभालि पुरुषपाघडी खीरीपुहरी वार १०८ मंत्रीभोगउपेवी सिराह
णेराषीजेप्रथमदिनेमिणीगाषीजे बीजेदिनमिणीजे बथइतउंजीवइ
चटतउविपरीतजांणीजइ जइमतीहोइतिणनइदेषीजइ ॐ इंदसेणा
महाविद्या देवलोगाउ आगया दिट्ठिबंधंकरिस्सामि भइाणंभूयाणं
सुहडाणं नेईयाणं दाप्पाणं चोराणं चोरियाणं जोहाणंबग्घाणं
सीहाणं गंधव्वाणं महोरगाणं अन्नेसिंचउप्पाणं डुडुचिताणं दिट्ठि
बंधणं मुहबंधणंकरेमि इंदनरिंदेस्वाहा मारगेजातां दरबारजातां
पाघडीर इक्केहडेगांठिदीजे सातांहोइ ॐनमोश्रीह्रींक्लीं ब्लूं पूर्वदिसि
हूंतीआवा बोघावीर आरडंताआवि गाजंताआवि यथा नवसइनवा
णूनदीसोषंतआवइ तथा भोरस्यकंठसोषि २ साभ्रमोषि २ बापघ
चउसमुद्रबीरकीशक्तिफुरइ वार १०८ चोषाशनिवारेमंत्रते हूधुस
भीजवि वस्त्रइवापि देवालयमध्ये रविप्रभातेचोरनइचबावि
इ चोरमुषेरुधिरंपतती ॥

ॐजलकंपे जलहरकंपे थरकंपे थरहरकंपे सउपुत्रसचंडिकाकं
पे सुफंदीधानगत्रकंपे राजारुठउ कहाकरेसी आसणछोडिसिंघा
सणदेसी जबलगिचंदनसिरचंपाउं तबलगिजगसऊपाइपडे हमा
गु० फुरोमंत्रईसरोवाचा वार ७ नित्यजपीजइमोटइकांमई हथेलीउ
परिगुरोचंदनघसीमंत्रसंमंत्रीतिलककीजेराजाप्रजामनोवंछित
पाइ आपणउबोलउपरिहोइसही २ बोल १ छूक २ जोएछेतउ
वताइ ३ कहि ४ कहउजी ५ ए आम्नायछइ ॐनमोसमूलीकमली
बेराणीरावणनीबहिनीसमली ऊडइकमली चीरइ ॐह्रींठः ठः ठः
स्वाहा एमंत्रिभणीयेवार ७ षारिक ७ चिणांरीदालिपावतथा २४ सेर
मंत्रीदिन ७ षवाडीये पीलीयोजायइ कमलीयोजायइ ॐचक्रेश्वरीदेवी
चक्रधारणीचोरप्रकाशनी ॐह्रींजः स्वाहा चीठीलिषीपाणीमांहि १८
वारमंत्रीचालै तिरेसोचोर ॐचटकउसफउपरिहणेटीलीमूकीकच्चा
हनुमतपकृतउलंकापुरी भातीकारसहस्स पराइसहअतानिद्यानि आप
णेचोरकाठि २दोषिवा प्रचंडहनुमतशक्तिफुरे वार २१ चावलपठिषवावे
चोरमुषेरुधिरवमंति ॐपूर्वदिसपीसोषतावीरआवे गाजंतआवे भवसे
निव्यासीनदीसोषंतआवे साधुकंतयोषतआवे चोरकंठसोषंतआवे पापम्र
चंडफुरे सोषीवीरकीशक्ति वार १०८ मंत्रीजेसंधासमे यावरकीरातिगुगल
षेवीजे भैसरेदूधसुंचावलभेईजे प्रभाते १०८ वारमंत्रीजेजिसकोभसहोइति
णनेचबावीजे चोरचाबसकेनहीं इतिचावलमंत्र उषधभक्षणमंत्र ॐह्रींसः
ह्रींसःसः ॐनमोभगवतेवासुदेवाय धन्वंतराय अमृतहस्तायसर्वाम्नायत्रैलो
क्यनाथायपरोपकारणेहृदये अमृतायस्वाहा वार ७

णा ८ राईदाणा ८ रवौक्रियते रिपुनाम लिषी पोटली माहि घाली
घाती यैवैरी रैष सोई यइ घरे मरे महा उच्चाट होइ छक विष्टा गृह्यते
लिंगल गावीजै घटी १ पछै कार्य कीजै स्तंभनं पीपल कीलक की
तषा छाकरी लकडी सु होम कीजै छीजी लकडी सुं होमन कीजै श्पा
मह श्त्रिक श्पामभ्रमरजलौका शनिवारे लीजै कुलुडी मांहि घाती पाणा
हेडाहे विराषीजै श्रादीजदारै काढीजै पछै हालीजै श्रात्मवीर्य लेपीजै
जेहनै छेहफेल गाईजइते वश्यपहोइ नारी कालीनागणि मुहद सै को
विसकंदलषाइ श्रंगश्रंगश्रमरवसे कोऊ संग न चाइ मेरीप वार ७ कण
डो मंत्रीजै सात वार मंत्र पढ नांगा विदीजै सात वरीया पछै पढै पव २१
वरीया पढै ॥ ॐनमो महेश्वराय उमापतये इदं कार्यं निवेदय २ तइ यद्या
कद्यय २ ठठः वार १०८ क्षेत्रपाल श्रागै पमंत्र जपीजै पूजा कीजै पछै कार्य
ला २१ वार गूगल जपि श्रापणा शरीर नै धूपीजै स्वप्ने शुभाशुभ कथयति
ॐ क्रों क्रीं श्रमुकस्य वश्यं कुरु २ फट् स्वाहा ॥ वार १०८ श्रादीन वारइ जपी
जै दवाग्नि तुलसी काष्टं खरमूत्रेण सेचयेत् चुल्ह्यां क्षिप्ते तदागारे हु
ताशनास्तंभन भवेत् १ मुफी मुंडी जलौकानां चूर्णं लेपप्रभावतः श्रग्नि
र्दहति नो गात्र योगिनी हि समन्विभः २ कुमारी कोलहृद्धस्य रसो मेषव
सान्वितः लिप्तगात्रो नरो नेन वह्निना नैव दह्यते ३ सारमासा ६ ल
वंगटं १ दालचीणी टं १ इलाइची टं १ पीपल ऽ येला १ पईसा ४ दूध माहि
लेवणा सवेरइ सांकयांणी मांहे थोवणी सूका इलयणी पछै सर्व एक
त्र करी पीसणा सारमथ्ये घाली पुफीमासा ३ रीकरी राषीजै पईसा १ घाफ
कापता सारी पातकरी पुफी कालीले ज्यो सरीर श्राछौ रहै भवल सर्व दूर हो
ई ॐनमो लूण २ महालूण नेणैं सीफै बडु काज इंद्र माहें द्र श्राजटा लूरा
ज श्रमुकानां दोषरोषक रै लूणपाणी ॐ फुट् स्वाहा श्रयं मूलमंत्रः श्रय विधिः
लवणखंडाशतमष्टाएकैकः खंड एकैक वारमभिमंत्र्य चटे क्षेप्तव्यः एवं त्रिसं
ध्यंकर्तव्यं श्पामो घटः पवित्र जलेन भृतः सपिधानः पूत भूमंडले स्थाप्यप
श्चिमायां संमुख स्थेयं लोह्यानस्य धूमो दातव्यः घटपूजा पुष्पादिना कर्त्त
व्येति रहस्यं ॥ मातंग चितायां मंगलवारे ह लितायां इष्टिकाः क्षिप्यते ते पश्चा
तदिन २ऽ३ गृह्यते तदिष्टका यस्य गृहे क्षिप्यते तत्र हृषदः पतंति ॥ ॐनमो
नारसिंहवीर क्रां क्रीं क्लां क्लीं दुष्ट प्रत्यक्षं स्वप्ने श्रागच्छ २ स्वाहा ॥ वार २१ स्तुश
री श्रभिमंत्र्य वंदन केसरेण टीकी दीयते रात्रौ यस्मिन् समये नारकाश्राविर्भव
ति तदा पूज्यते पूगीफलानि तानि च मूर्द्धि धार्यते शायनकाले श्रनेक रूपाणि
दृश्यते भूतावांतरादयः स्वप्ने इति कौतुकं ॥ ॐ उच्छिष्ट चंडालिनी देवी श्रमु
क हृदये प्रविश्य मम हृदये प्रवेशय २ हन २ दह २ पच २ हुं फट् स्वाहा ॥
लघुनीति हृहन्नीति उच्छिष्ट वेलायां स्मर्यते निरंतरं शतिवारान् सप्ताहवार

ॐ कुमेनसमालिख्यशुभैदेशोस्त्रलक्षणं प्रतिपत्तिथिमारल्पंपूजां
कृचाजपेन्नतः त्रिसंध्यंत्रिसहस्रेन्न मासीनांपूजयेन्निशिसजपना
र्द्धमान्तेन्न समागच्छतिप्रच्छति दीनाराणसहस्रक प्रत्यहंपरितो
षिता १ चिणोठीकीदालि १ कनकबीज २ अंकोलबीज ३ मालका
गणीबीज ४ थोल्लाकणाय २ बीजपसर्वनुषयकन्न पातालयंत्र ३
तेलकाढीजैकेसांलगाईजर पङ्र १ तांईराषीजइएबैथोईजइके
सकुतरिजाइ बीजैगुणसांफिनष २ चोपकीयेप्रहर १ एबैलोग
कीजैसलतं नषथोईयइनीबूहूसेनिवारेबटे कूंगचादिन ३तां
ईलीजवीपछे छोतराहूरिकीजै पछेसेकीजैनान्दापीसीजै मा
हेसंखाहोलीमूडापातीहूयेलीएसर्ववांटी ३ णांबराबरतिश्रीचा
तीजै अचवाऊजलीषांफप्रलातसमेदिन ७ अद्य १४ ८ २१ ता
ईलीजै सर्वजातिनाप्रहजाइ हतआवेस्त्रीतिवारे ९ ८ बांवल
स्पामपूगीषंफ ४ दिन ३ तांईयोनिमांहिराषे पछेअरुयोतिहूथ
सुथोवइ तेहूथस्तुचोषारीषी २ कारे तेषवाईजइवइपलवमिष्ठरुषः
सोपारीवांदिकपूरकस्तूरीलेलितेदीजैवश्यंभवति चोरबंदीषान
इपस्योहोइतिणनेपहिलेदिनजीमाईजैपानषवाईने अरुकहीजै
हूंतोनेबुफाविस्तुविणस्तआपकीलकीजै माहरउकामहोतिवारेंढू
करजै पछेहूंजैदिनमंगाल ८ अदीनवापकमासेसवागजयउलउ
कपफोउणकासिरनीचेराषीजै एबैलोहीसुषरषोलोआवीजैतिण
कपफेकीएकलीरीरीवाटीकीजै आदीनवारकेदिनदीवोकीजै तेचोर
आवै कामकहीजै तेकहीजै सत्यप्रत्ययः हाचपषालेमुषथोडुं जपुं
अनंदीमाय इसपिंफमेंवसिकरुंसबजगिलक्रुणाय १ ॐहाचपषा
लेमुषथोडुं कचीमछलीषांउं हूसपिंफमेदसिकरुं जगमोहनमे
रानाउ २ वारं ३ हरोजजपीजै मुषमूदनमंत्र ॥ अद्य सलासलनमंत्र ॥
ॐनूमेतुलसी आवलबावल नूमैदेष्यो कपिज्यारावल आकासकापेम
हिंदकापेदेविडुगासन्मुखहालेकांपेमुषदेषेजाकाढेरावहूकेतुलजी
मारैलानेद्यावहोवसिकालिकारावरकामदााआग्या वारनूपठीजै ॥ ॐक्रीं
श्रींअर्हंश्रीसीमंचद्रसीमिनेक्रींनमःवार १... जयेत्नभवतिस्थितिर्जायने
तिश्रयेन मसीत ७ नीधूलि चोर ७ नीधूलि चोहटानीधूलिमरसवदा

५।७ दुष्टजनवशीकरणं अथ कर्णपिशाचीमंत्रः ॐ ह्रीं क्रां हूं कर्ण पिशाचके अवतर २ पात्रे तिष्ठ २ सर्वं कथय २ स्वाहा अस्य १०८ वार पात्रमस्तके हस्तादचाभिमंत्र्य यिचास्तुभा स्तुभ चिंतितं ष्टच्छितं कार्यं पात्रेऽवतरतिवा सर्वं कथयति ॥

७ ॐ	१२ ह्रीं	१ क्रीं	१४ हूः
२ स्त्रं	१३ म्लः	८ वः	११ ह्रीं
१६ ॐ	३ ह्रौं	१० ह्रैं	५ हूः
९ स्त्रं	६ सः	१५ वा	४ ह्रीं

चंड २ प्रचंड २ करक वाहि

११	८	२३	६	१	[illegible]	[illegible]	१६	८	१५
१२	१०	८	७	५		३	१४	१२	१०
७	१४	९	२	९		४	९	१६	११
१२	७	१४	१०	५		१२	८	३	१०
१३	११	९	११	९		७	९	७	५
८	१५	१०	६	१३	९	[illegible]	४	१६	६
७	२	९	१४	९		१६	९	४	११
८	६	४	१५	१३		११	१०	८	६
३	१०	५	१०	१७		२२	५	१२	७

८१

समदबारसमेगं चउदस रुदानहेवपंचाय उयहीपंनरदसा नवसोलसयरकेनाधत्वा १ नेरस अच्छेवनहा दसतिगसहियपयाहिणथ्ये अणइमलअणरसक इद सूयाइंपाखाउं २ यंत्रविहिकापट्टे भूर्यवालि॰ पुष्पे १०८ जापादयः रदिविस्फोटकादिउपशांतिकार्यंतदांनीनीली रेमनयंत्रलेखप्रियःशांति हेतोःपुनर्ऊं ऊः व लयमंत्रहीनेलि॰रहेपूज्या॥ ४४॥

जस्सयंत्रेरइ ऊंजेती निवसइ सत्तायरेणसं जुत्तोदाहिणलिसुहाहूठो फेडेइसय लउरियाइं १ गायगहचोरडाइणिसाइ णिवेयालभूयमाईया अग्गीनहसष भउ सुवणंमिविनेवपिच्छंति॥२॥४५

अंक २८

५

१

नं०